अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
प्रथम अध्याय - कवि भारतभूषण अग्रवाल : जीवन तथा रचनात्मक परिचय	**1-10**
1.0 भूमिका	
1.1 जन्म तथा मृत्यु	
1.2 शिक्षा	
1.3 पारिवारिक वातावरण	
1.4 रचनाएँ	
1.5 अनुवादक	
1.6 विचार प्रणालि	
निष्कर्ष	
द्वितीय अध्याय -भारतभूषण अग्रवाल का काव्य विकास	**11-26**
2.0 भूमिका	
2.1 प्रयोगवाद तथा नई कविता : स्वरूप विवेचन	
2.2 नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ	
2.3 भारतभूषण अग्रवाल के काव्य का विकास क्रम	
निष्कर्ष	
तृतीय अध्याय -भारतभूषण अग्रवाल का 'अग्नि-लीक' : 'खंडकाव्य' तथा 'काव्यनाटक'	**27-114**
3.0 भूमिका	
3.1 खण्डकाव्य : स्वरूप विवेचन	
3.2 खण्डकाव्य - विषयक भारतीय मत	
3.3 खण्डकाव्य की परिभाषाएँ	
3.4 खण्डकाव्य विषयक पाश्चात्य मत	
3.5 खण्डकाव्य के प्रमुख तत्त्व	
3.6 खण्डकाव्य के तत्त्वों के आधार पर 'अग्नि-लीक' का विवेचन	
3.6.1 'अग्नि-लीक' का कथानक	
3.6.2 पात्र और चारित्र चित्रण	
3.6.2.1 'अग्नि-लीक' के स्त्री पात्र	
1) सीता 2) कौशिकी	
3.6.2.2 'अग्नि-लीक' के पुरूष पात्र	

1)राम 2) वाल्मीकि 3)राजपुरूष 4) रथवान
5)चरण 6) लव-कुश
3.6.3 देशकाल वातावरण
3.6.4 उद्देश्य
3.6.5 रस
3.6.6 शैली
3.7 'अग्नि-लीक' : काव्यनाटक
3.8 'अग्नि-लीक' : युगबोध
3.9 'अग्नि-लीक' : आधुनिकता और परंपरा
3.10 'सीता निर्वासन' विषयक अन्य खण्डकाव्य :
1)वैदेही वनवास 2) उत्तरायण 3) प्रसाद पर्व
4) भूमिजा 5) त्यक्ता के आँसू
निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - 'अग्नि-लीक' का भाषा सौंदर्य **115-129**

4.0 भूमिका
4.1 भाषा
4.1.1 सरलीकरण
4.1.2 प्रवाहशीलता
4.1.3 प्रेषणीयता
4.1.4 प्रतीकात्मकता
4.1.5 भाषा की विशालता
4.1.6 पौरूष और ओजगुण
4.1.7 भावानुकुल भाषा
4.1.8 गद्यात्मक भाषा
4.1.9 संवादात्मक भाषा
4.1.10 प्रश्नात्मक भाषा
4.1.11 मुहावरों का प्रयोग
4.1.12 पूर्वदीप्ति शैली का प्रयोग
निष्कर्ष

उपसंहार **130-135**

संदर्भ ग्रंथ सूची **136-138**